'विश्व में ध्यान एवं सिद्धयोग' ट्रस्ट के उद्देश्य

1. प्रकृति के लिए नागपुर यज्ञ
2. वैश्विक भूकम्पों की सरकारों को पूर्व चेतावनियां।(सी.एम. हरियाणा क्रमांक 98/12.12.2018, मुख्य महंत अस्थल बोहर मठ बालकनाथ जी, गुजरात 06/6.3.2014, महाराष्ट्र 9/10.04.2014, प्रधानमंत्री जी भारत सरकार नई दिल्ली 51/21.06.2016 व आपदा प्रबंधन भारत सरकार नई दिल्ली, बी.बी. सी. हिन्दी समाचार नई दिल्ली 5/ दि.11.7.2013, अमेरिकन राष्ट्रपति 10/10.04.2014, पुस्तक ''विश्व मानचित्र'' पेज 230 क्रमांक 50/22.03.2016 व विस्तार पुस्तक ''विश्व मानचित्र'' पेज 240 क्रमांक 58/5.9.2017, पत्र क्रमांक 104/19.02.2019 प्रेषितः—श्रीमान् मुख्यमंत्री महोदय, पंजाब सरकार चंडीगढ़, विषयः—''हिमालय विखण्डन''। पत्र क्रमांक 105व106 दि. 9.7.2019 विषयः—राजस्थान झाड़ू, पौछा, प्रेषितः—श्रीमान् मुख्यमंत्री महोदय जी, राजस्थान सरकार, जयपुर तथा आपदा प्रबंधन राहत मंत्री, राजस्थान सरकार, जयपुर। पत्र क्रमांक 110/दि.02.09.2019 विषयः—भारत भूकम्प, प्रेषितः— श्रीमान् रामनाथ कोविन्द, महामहिम राष्ट्रपति जी, भारत गणराज्य, नई दिल्ली। पत्र क्रमांकः—111/26.9.2019 विषयः—हिमालय विखण्डन, भविष्यवांणी, प्रेषितः—श्रीमान् सत्यपाल मलिक, महामहिम राज्यपाल महोदय जी, राजभवन, जम्मू कश्मीर केन्द्र शासित प्रदेश, श्रीनगर, भारत पिनकोड—190001. पत्र क्रमांक 113/19.12.2019 विषयः—नवीन हिमालय स्थापित होगा अरावली पर्वतमाला राजस्थान में। प्रेषित, श्री सुरेश नारायन मेशराम, एडिशनल डायरेक्टर, जियोलोजिकल सर्वे ओफ इंडिया, सैंट्रल हैडक्वाटस एडमिनिस्ट्रेटिव सपोर्ट सिस्टम, 27, जवाहरलरल नेहरु रोड़, 1 फलोर कलकता—700016. पत्र क्रमांक 126/16.5.2020 विषयः—वाराणसी अपूर्व सौंन्दर्य प्राकृतिक, प्रकृति निर्धारक महाशिव। प्रेषित, श्री सुरेश नारायन मेशराम, एडिशनल डायरेक्टर, जियोलोजिकल सर्वे ओफ इंडिया, सैंट्रल हैडक्वाटस एडमिनिस्ट्रेटिव सपोर्ट सिस्टम, 27, जवाहरलरल नेहरु रोड़, 1 फलोर कलकता—700016. पत्र क्रमांकः—127/20.5.2020 विषयः—''हिमालय विखण्डन'' भविष्यवांणी। प्रेषितः—श्रीमान् आदित्यनाथ योगी जी मुख्यमंत्री महोदय, उतरप्रदेश सरकार, लखनऊ।)
3. राज्य सरकारों को सीधी हिदायत पत्र।(दि.12.11.2018 को 30 पत्र राज्य सरकारों को भेजे गए)
4. विश्व सरकारों को दूत की चेतावनियां, बी.बी.सी. मीडिया के माध्यम से।
5. बाबा गंगाईनाथ जी से ''विश्व प्रसिद्ध भविष्यवांणियां, विश्व में धार्मिक क्रान्ति—92'' पेज पुस्तक प्राप्त करना।(नोटः—फरवरी 2020 में प्राप्त। दि.5.3.2020 वार—गुरूवार को प्रातः 6 बजे hindi letters@bbc.co.uk को भेजी गई।)
6. सहस्त्रार सेवा पुस्तक प्रकाशन।(नोटः—सितम्बर 2019 में स.से. लगभग पूर्ण हो चुकी है। दि.5.3.2020 वार—गुरूवार को प्रातः 6 बजे hindi letters@bbc.co.uk को भेजी गई)
7. बी.बी.सी. को समय—समय पर अपने पत्र, पुस्तकें भेजना। सम्पर्क बनाए रखना। इन्टरव्यू पुष्टि कराना बी.बी.सी. से। (नोटः—दि.19 तथा 25 दिसम्बर 2019 को 115/19,25.12.2019 पत्र क्रमांक

के तहत 115 पत्रों की प्रतिलिपि सूचनार्थ प्रेषित, विश्व मानचित्र पुस्तक, विश्व मानचित्र पुस्तक की समरी के 100 बिन्दु, मेल आई डी. hindi.letters@bbc.co.uk पर भेजे जा चुके हैं।)

8. विश्व कार्यवाहियां गायत्री आराधकों द्वारा, उनका मार्गदर्शन, फीडबैक लेना, संकलन, सरकारों को प्रमाण देना, अवतारवाद की वकालात करना।
9. गायत्री आराधक टीम संगठन बनाए रखना। सी.डी. बनाने का आदेश।
10. कल्कि यज्ञ अभी शेष है। जिसकी शुरुआत काजलवास से, फिर प्रभूराम के वहां, उसके बाद पलाना अन्त्येष्टी स्थल पर। सवा–सवा लाख के चार यज्ञ कुल 48 दिन चलेंगे। अगस्त से शुरु। 2–16 अगस्त पंचमथा, 16–30 अगस्त काजलवास, 30–13 सित. टिबंड़ी, 13–27 सितम्बर पलाना अन्त्येष्टि स्थल। (नोटः–दि. 2.8.2018 से पंचमथा वेदी पर टीम यज्ञ सवा लाख गायत्री मंत्र का स्वाह के साथ सम्पन् एवं सफल रहा। दि.16 अगस्त 2018 से काजलवास वेदियों पर सवा लाख गायत्री मंत्र का स्वाह के साथ टीम यज्ञ सम्पन् एवं पूर्ण सफल रहा। प्रभूराम जी प्रजापत के पंचमथा पर साथ नहीं आने व नाथों द्वारा सिद्धलोक की गायत्री टीम से निष्कासित कर दिए जाने के कारण उनके वहां यज्ञ नहीं हो सका। दि. 13.9.2018 से 20.9.2018 तक पलाना समाधि स्थल पर टीम द्वारा सवा लाख गायत्री मंत्र का स्वाह के गायत्री यज्ञ सम्पन् एवं पूर्ण सफल रहा।)
11. विश्व आचार्यों को प्रशिक्षण भौतिक शरीर से सम्बोधित करके विधान के अनुसार। विधान अध्यात्म विज्ञान का रामलाल सियाग का चलेगा। अरविन्द, श्रीमां, विवेकानन्द की भविष्यवाणियां की कार्यप्रणाली चलेगी।
12. परमाणु बम का खोखा विश्व चैनलों के सामने उठाकर लाना।
13. शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन 100 दिनों का आयोजन।
14. अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय वकालात व सहायक घोषित कराना। डबल 34 पर भी
15. अमेरिका की चार धर्म प्रचारक यात्राएं।
16. धार्मिक आयोजन देश–विदेशों में ध्यान एवं सिद्धयोग के तस्वीर से।
17. दिल्ली सरकार दूत चेतावनी।
18. हिमगिरी–विखण्डन के पश्चात् 17 राज्यों में फोटो से ध्यान एवं सिद्धयोग के शक्तिपात दीक्षा कार्यक्रम गुरूवार को सविस्तार आयोजन। (नोटः–विश्वमानचित्र बिन्दु 248 पेज 97 पर विस्तार से विवरण) (17 स्थानों के नामः–1. श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या, भारत में श्रीमान् आदित्यनाथ योगी जी के माध्यम से दि.01.10.2020 वार गुरूवार को स्थानः–रामजन्मभूमि परिसर। 2. जनकपुर, नेपाल। राम,बुद्ध,कृष्ण 3. एक दक्षिणी भारत में। नोटः–17 संबोधन मा. के माध्यम से होंगे। राष्ट्रपति कोविंद दक्षिणी भारत भूकम्प के बाद ट्रस्ट में आएंगे तब उन्हें दक्षिणी भारत में एक शक्तिपात दीक्षा प्रोग्राम की व्यवस्था की समस्त जिम्मेदारी उन पर डालने का आदेश। 4. तीन अमेरिका में 7. अन्तर्राष्ट्रीय मंच से दर्शन की विस्तार से जानकारी। 8. मोरीशश में वहां की सरकार व्यवस्था करेगी। कृष्ण। 9. बी.बी.सी. के कारण एक लन्दन में व्यवस्थापक बी.बी.सी. होगी। राम। 10. अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में मुकदमा लड़ना पड़ेगा। राम। 11. हरियाणा पंजाब में एक बालकनाथ जी योगी के माध्यम से। पाण्डव।12. राजधानी दिल्ली में 'भारतीय राजनीति शुद्धीकरण' संसद भवन में हिमालय विखण्डन के

बाद एक शक्तिपात दीक्षा प्रोग्राम की व्यवस्था दिल्ली सरकार करे। मोदी झौंपड़ा आवे तो नागपुर यज्ञ तथा दिल्ली जिम्मा उन पर डालने का आदेश, पुस्तक सहस्त्रार यात्रा भेंट। 13. राजशाही, पटना बिहार में प्रेम कुमार जी शर्मा तथा नीतिश जी के जिम्मे रहेगा।)

19. चमत्कार–150 राजस्थान से मई माह भूकम्प के तत्काल बाद। 1000 राजस्थान परमाणु हमले के तत्काल बाद झौंपड़ा वेदी सर्जीवण। सर्जीकल स्ट्राइक के तत्काल बाद जो अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में सबूत के तौर पर प्रस्तुत किए जाएंगे।
20. विशिष्ट कार्य भौतिक शरीर। शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन के दौरान प्रमाण स्वरुप जापान के नागासाकी व हिरोशिमा शहरों में जाकर भी जीवित होने का प्रमाण देना पड़ेगा, तब स्वीकार करेंगे।
21. भारतीय संसद में ध्यान एवं सिद्धयोग–भारतीय राजनीति शुद्धीकरण।
22. जेलर–15 दिन, अगस्त कार्यवाही, 100 प्रोग्राम तस्वीर से। सन् 2020
23. पृथ्वीं विखण्डन उद्‌बोधनः–विश्व मीडिया व चैनलों के सामने एक घण्टा, मोरनावड़ा खेड़े में प्रेस कांफ्रेस आयोजन बी.बी.सी. द्वारा। भविष्य की घटना।
24. प्रचारक राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर, व्यवस्थापक भौतिक रुप से।
25. ज्ञान गंगाः–साहित्य सृजन, प्रकाशन, वितरण, व्यवस्था विश्व मानवता हेतु। नव सृजित साहित्य के साथ ही अरविन्द, श्रीमां, विवेकानन्द की भविष्यवाणियां व साहित्य।
26. गायत्री संगठन, विकास, विस्तार, आवास, जीविकोपार्जन, चुनाव संचालन।(नोटः–सी.डी. बनाने का आदेश)
27. विश्व विख्यात कल्कि ट्रस्ट, अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र, मानव सहायता केन्द्रों के निर्माण, संचालन, संगठनात्मक ढ़ाचा निर्माण विश्व का। सी.डी. से अध्यात्म विज्ञान की परिभाषा, उद्देश्यों से विश्व को अवगत कराना।
28. अन्तर्राष्ट्रीय मंच से दर्शन की विस्तार से जानकारी 4.30 में देना। भौतिक व अध्यात्म विज्ञान का तुलनात्मक अध्ययन। सहस्त्रार सेवा अवतार की विश्व दिव्य रूपान्तरण सामूहिक
29. देव और दानव। क्लीशिया, बाइबल की भविष्यवाणियां प्रमाणित सद्‌गुरुदेव पर। तीनों धर्मो का अवतार एक ही व्यक्ति रामलाल जी सियाग। यह प्रमाणित करना होगा। अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय से एक मानव, एक भाषा, एक झण्डे, एक मानव धर्म जिसका उद्‌गम स्थल सनातन धर्म।
30. विश्व पर्यावरण दिवसः–संचालक गायत्री आराधकों की कार्यवाही।
31. मैत्री संघः–स्त्री–पुरुष पंचमथा विकास एंव विस्तार। आदान–प्रदान।
32. शिष्टाचारः– ब्र. मु. से सघन मंत्र जप से वैश्विक शुद्धीकरण सम्भव।
33. तीसरे विश्वयुद्ध के दौरान 45 दिन सघन नामजप पूरी गायत्री टीम के साथ पाण्डव भवन पर। संचालक, व्यवस्थापक, निर्देशक मा.।
34. अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के फैसले के आधार पर विश्व मानवता तथा विश्व धर्मों को अवतार के सामने झुकाकर पूर्ण समर्पण कराकर इसे विश्व दर्शन बनाना। परमेश्वर का राज्य घोषित कराना।
35. नर–नारायण एकाकार। भारत सरकार विशुद्ध सरकार निर्माण। सरकार एवं अध्यात्म विज्ञान एक झण्डे के नीचे आकर शासनाध्यक्ष का चुनाव करेंगे।

36. नवनिर्माणः—21 वीं सदी का सतयुगी भारत। अखण्ड भारत। सनातनी भारत। वैश्विक भारत।
37. अवकाशः—गुरुपूर्णिमा, 24 नवम्बर अवतरण दिवस, प्रत्येक गुरुवार, बाबा श्रीमान् गंगाईनाथ जी की बरसी।
38. विकासवादः—विश्वमानवता रुपान्तरण। विश्व रुपान्तरण। विश्व मानवता का अन्तिम और पूर्ण विकास।

    नोटः—उपरोक्त मा. के कार्यो का केवल हेडिंग दिया गया है।
39. जिस समय भूमण्डल थर्राएगा उस समय विश्व मानवता को सहस्त्रार कला से जोड़कर दिव्य रूपान्तरित रखना तथा नीचे नहीं उतरने देना।
40. दूसरा बड़ा खतरा 45 दिन तीसरा विश्व युद्ध, उस दौरान भी विश्व मानवता को सहस्त्रार कला से जोड़कर दिव्य रूपान्तरित रखना।—दोनों भूमिकाएं महाशिव की ओर से दि.25.5.20

    (नोटः—उपरोक्त 40 उद्देश्यों को NGO की वेबसाइट में डालने का महाशिव का आदेश है। ताकि उद्देश्य सबके सामने रहे। उपरोक्त उदेश्यों की पूर्ति हेतु एक सशरीर वाला माध्यम सिद्धलोक को चाहिए। जिसके माध्यम से सिद्धलोक अपने सूक्ष्म शरीर से पूरी शक्ति माध्यम के द्वारा प्रकट कर सकें। ऐसा हर अवतारकाल में हुआ है। विज्ञान सम्मत कारण है। शरीरों को बचाने के लिए शरीर आवश्यक है। इसीलिए उतराधिकारी नियुक्त किया जाता है। चाहे वह शरीर कहीं पर रहे तथा विश्व शरीर कहीं पर रहे, मार्गदर्शन ध्यानावस्था में होता रहेगा। एक्सचेंज से भौतिक विज्ञान के मोबाइलों की तरह।)